क्र. सं.	कक्षा	कोर्स	कोर्स आउटकम
1.	बी. ए. प्रथम वर्ष	प्रयोजनमूलक हिंदी **HIND 101**	1. छात्रों का भाषायी कौशल सुदुढ होगा। 2. हिंदी भाषा के व्याकरण का अध्ययन करके छात्र हिंदी भाषा को सीखने के योग्य होंगे। 3. छात्रों का शब्दकोश सुदृढ होगा जो उन्हें उत्कृष्ट लेखक, विचारक एवं वक्ता बनने में सहायक होगा।
		हिंदी साहित्य का इतिहास **HIND 102**	1. इस विशय के अध्ययन से छात्रों को हिंदी साहित्य की विभिन्न साहित्यिक परंपराओं का परिचय प्राप्त होगा। 2. आधुनिक हिंदी साहित्य के विविध साहित्यिक आंदोलनों से छात्र अवगत होंगे। 3. समकालीन साहित्य के विविध रूपों एवं विमर्शों के माध्यम से छात्रों को समकालीन समाज के विविध परिदृश्यों का बोध होगा। 4. छात्र ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत होंगे।
		मध्यकालीन हिंदी कविता **HIND 103**	1. मध्यकालीन हिंदी साहित्य के साहित्यकारों के जीवन एवं रचनाकर्म के अध्ययन से छात्रों में धर्म, दर्शन, साहित्य एवं इतिहास के प्रति विवेक जागृत होगा। 2. छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी। 3. विभिन्न साहित्यकारों की रचनाओं के अध्ययन से छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास होगा जिससे छात्र आदर्श समाज के निर्माण में महती भूमिका अदा करेंगे। 4. छात्र ब्रज भाषा, राजस्थानी हिंदी एवं अवधी भाषा के स्वरूप से अवगत होंगे। इन भाषाओं के अध्ययन से छात्रों की शब्द संपदा समृद्ध होगी और उनका भाषायी कौशल में निखार आएगा।
2.	बी. ए. द्वितीय वर्ष	अनिवार्य हिंदी रचना पुंज **HIND 201**	1. कला एवं वाणिज्य संकाय के छात्र हिंदी साहित्य के चर्चित रचनाकारों की वैचारिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे। 2. विभिन्न रचनाकारों की रचनाओं के अध्ययन से छात्रों में विचार विमर्श की क्षमता, समस्या समाधान की योग्यता

			विकसित होगी। 3. छात्र साहित्य के अध्ययन से विभिन्न कालों की परंपराओं, भाषाओं एवं संस्कृतियों से अवगत होंगे तथा तदयुगीन सामाजिक, सांस्कृतिक,आर्थिक, राजनैतिक परिस्थितियों से अवगत होंगे।
		आधुनिक हिंदी कविता HIND 202	1. छात्र आधुनिक युग की सामाजिक, सांस्कृतिक,आर्थिक, राजनीतिक एवं धार्मिक परिस्थितियों से अवगत होंगे जो भारतीय समाज के गहन बोध में सहायक होगा। 2. छात्र भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी कवियों के योगदान को जानेंगे जो उनमें देश प्रेम, एकता एवं अखंडता जैसे गुणों का विकास करेगा।
		हिंदी गद्य साहित्य HIND 203	1. छात्र गद्य की विभिन्न विधाओं के स्वरूप से अवगत होंगे जो उनमें रचनात्मक क्षमता को विकसित करेगा। 2. पाठ्यक्रम में संकलित रचनाओं के गहन अध्ययन से छात्रों का आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।
		कार्यालयी हिंदी HIND 204	1. छात्र कार्यालयों की कार्य शैली को जानने में सक्षम होंगे तथा कार्यालयी प्रयोजनों में भाषा प्रयोग की प्रक्रिया एवं स्वरूप को समझेंगे जो भविष्य में उनके लिए सहायक होगा। 2. भाषा के विविध रूपों के अध्ययन से छात्रों के भाषा विषयक ज्ञान में अभिवृद्धि होगी।
		अनुवाद विज्ञान HIND 206	1. अनुवाद की प्रक्रिया से अवगत होंगे जिससे छात्र अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने की ओर उन्मुख होंगे। 2. अनुवाद के मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त करके छात्र विभिन्न भाशाओं की भाषिक संरचना को समझते हुए विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे जो उनके बुद्धि एवं वैचारिक भाक्ति को धार देगा।
3.	बी. ए. तृतीय वर्ष	**लोक साहित्य HIND 305**	1. छात्र अपनी लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य की मूल संवेदना से अवगत होंगे।

			2. छात्रों में लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं में बिखरे साहित्यिक ज्ञान के संरक्षण द्वारा उसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित करने की योग्यता विकसित होगी। 3. छात्रों में लुप्त हो रही लोकभाषाओं को संरक्षित प्रतिबद्धता विकसित होगी। 4. लोक साहित्य के रूप में प्राप्त पूर्वजों के ज्ञान एवं अनुभवों से छात्र लाभान्वित होंगे।
		छायावादोत्तर हिंदी कविता **HIND 306**	1. पाठ्यक्रम में संकलित काव्य रचनाओं से छात्र आधुनिक भारतीय समाज की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था से अवगत होंगे। जीवन की विभिन्न चुनौतियों एवं समस्याओं से अवगत होंगे एवं उनके समाधान के तरीकों को जानेंगे। 2. छात्र हिंदी की नई कविता के भाव एवं शिल्प पक्ष तथा युगचेतना से अवगत होंगें।
		रंग आलेख एवं रंगमंच **HIND 301**	1. छात्र रंगमंच की सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक पृष्ठभूमि को जानेंगे तथा थियेटर एवं अभिनय के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों से अवगत होंगे। 2. स्टेज एवं नाटक की आधारभूत संरचना के ज्ञान से अभिनय में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए लाभप्रद होगा।
		समाचार संकलन एवं लेखन **HIND 304**	1. समाचारों एवं मीडिया के मानव जीवन में महत्व से छात्र अवगत होंगे। 2. पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के प्रति छात्रों में रूचि विकसित होगी। 3. छात्रों की तार्किक एवं वैचारिक क्षमता विकसित होगी तथा उनका लेखन कौशल सुदृढ़ होगा। 4. छात्र समसामयिक समाज के परिदृश्य को समझने में सक्षम होंगे।